

राजनीति-विज्ञान तथा अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध (प्रश्न-पत्र-II)

समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर तीन प्रश्नों के उत्तर दें।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द-सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

POLITICAL SCIENCE AND INTERNATIONAL RELATIONS (PAPER-II)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about 150 words each :

10×5=50

- (a) तुलनात्मक राजनीति के क्षेत्र में राजनीतिक-समाजशास्त्रीय उपागम को स्पष्ट कीजिए एवं उसकी सीमाओं की विवेचना कीजिए।

Explain the Political-Sociological Approach in the field of comparative politics and discuss its limitations.

- (b) पाश्चात्य जगत् के परिप्रेक्ष्यों से, गत 25 वर्षों में हुए वैश्वीकरण का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

Critically examine the Globalisation in the past 25 years from the perspectives of the Western world.

- (c) विकसित समाजों में एल० जी० बी० टी० (समलिंगी, उभयलिंगी तथा विपरीतलिंगी) आंदोलन का परीक्षण कीजिए और विकासशील समाजों में राजनीतिक सहभागिता को यह किस प्रकार से प्रभावित कर रहा है इसका परीक्षण कीजिए।

Examine the LGBT (Lesbian, Gay, Bisexual and Transgender) movement in developed societies and how it is affecting the political participation in developing societies.

- (d) अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'नाफ्टा' से पृथक् होने के प्रस्ताव के फलस्वरूप विश्व राजनीति के प्रादेशिकीकरण पर अनपेक्षित परिणाम होंगे। सविस्तार स्पष्ट कीजिए।

American President Donald Trump's proposal to withdraw from the 'NAFTA' would bring unforeseen consequences to the regionalisation of world politics. Elaborate.

- (e) समकालीन वैश्विक मुद्दों की नारी अधिकारवादी समालोचना का एक आकलन प्रस्तुत कीजिए।

Give an assessment of the Feminist critique of contemporary global issues.

2. (a) क्या यथार्थवादी उपागम अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों को समझने की सर्वोत्तम विधि है? क्लासिकी यथार्थवाद के परिप्रेक्ष्य में इसका परीक्षण कीजिए।

Is Realist Approach the best method to understand International Relations? Examine this in the context of Classical Realism.

20

- (b) वैश्विक पूँजीवाद के विकास ने समाजवादी अर्थव्यवस्थाओं और विकासशील समाजों की प्रकृति को किस प्रकार परिवर्तित किया है?

How has the development of Global Capitalism changed the nature of socialist economies and developing societies?

15

- (c) पारराष्ट्रीय कर्ताओं के संदर्भ में, आधुनिक राज्य की बदलती हुई प्रकृति का विवेचन कीजिए।

Discuss the changing nature of modern state with reference to transnational actors.

15

3. (a) “उत्तर कोरिया द्वारा विकसित उन्नत मिसाइल प्रौद्योगिकी एवं नाभिकीय धमकी ने दक्षिण-पूर्व एशिया में अमेरिकी प्राधान्य को चुनौती दी है।”

इस प्रदेश में हाल के घटनाक्रमों के संदर्भ में, उपरोक्त कथन का मूल्यांकन कीजिए।

“The development of advanced missile technology and nuclear threat by North Korea has challenged the American hegemony in South-East Asia.”

Evaluate the above statement in the context of recent developments in the region. 20

- (b) क्या आप इस मत का समर्थन करते हैं कि द्वि-ध्रुवीयता की समाप्ति एवं अनेक प्रादेशिक संगठनों के उदय ने गुट-निरपेक्ष आंदोलन (नाम) को कमोबेश अप्रासंगिक बना दिया है?

Do you endorse the view that the end of Bipolarity and the rise of multiple regional organisations has made Non-Aligned Movement (NAM) more or less irrelevant? 15

- (c) क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रकायण में परिसीमाओं के बावजूद, इसे प्रतिष्ठित एवं अद्वितीय उपलब्धियों का श्रेय प्राप्त है?

Do you agree with the view that despite the limitations in the functioning of the UN, it has distinguished and unique achievements to its credit? 15

4. (a) पेरिस पर्यावरण संधि से हाल ही में संयुक्त राज्य अमेरिका के अलग हो जाने की कार्रवाई से विश्व पर्यावरण का संरक्षण करने पर प्राप्त मतैक्य को ठेस लगी है। इस संदर्भ में, पर्यावरण नियंत्रण की भविष्यत्कालिक संभावनाओं का आकलन कीजिए।

The recent move of USA to withdraw from the Paris Climate Agreement is a setback in the consensus achieved on protecting the world environment. In this context, assess the future prospectives on climate control. 20

- (b) यूरोपीय संघ के द्वारा प्रारंभ किए गए प्रादेशिकीकरण प्रक्रम को ‘ब्रेक्सिट’ ने किस प्रकार प्रभावित किया है, तथा विश्व राजनीति के प्रादेशिकीकरण प्रक्रम पर इसके क्या संभावित परिणाम हो सकते हैं?

How has ‘BREXIT’ affected the regionalisation process initiated by European Union and what could be its likely impacts in the regionalisation process of world politics? 15

- (c) इमानुएल वालरस्टीन के द्वारा विकसित विश्व व्यवस्था उपागम का परीक्षण कीजिए।

Examine the World Systems Approach as developed by Immanuel Wallerstein. 15

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about 150 words each :

10×5=50

- (a) भारत की विदेश नीति के निर्धारक तत्वों के रूप में, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन एवं भारत की भौगोलिक अवस्थिति का परीक्षण कीजिए।

Examine the Indian National Movement and geographical location of India as determinants of India’s foreign policy.

- (b) दक्षिण एशिया मुक्त व्यापार क्षेत्र (साफ्टा) के विकास में कौन-सी बाधाएँ हैं?
What are the impediments in the development of South Asian Free Trade Area (SAFTA)?
- (c) “भारत और भूटान के मध्य चिरस्थायी शांति और मित्रता की संधि को और अधिक व्यावहारिक, यथार्थवादी बाध्यताओं एवं उत्तरदायित्वों सहित संशोधित करने की आवश्यकता है।” टिप्पणी कीजिए।
“The Treaty of Perpetual Peace and Friendship between India and Bhutan needs to be revised with more pragmatic, realistic obligations and responsibilities.” Comment.
- (d) “विश्वभर में संयुक्त राष्ट्र शांति-रक्षकों को योगदान देने में भारत सबसे बड़ा और अटल देश रहा है।” इस परिप्रेक्ष्य में भारत की भूमिका का परीक्षण कीजिए।
“India has been the largest and consistent country contributing to the UN peacekeepers worldwide.” Examine India’s role in this perspective.
- (e) क्या हाल के भारत-इज़राइल संबंधों ने फिलिस्तीन के राज्यत्व पर भारत के रुख को नई गत्यात्मकता प्रदान की है?
Has the recent Indo-Israeli relationships given a new dynamics to India’s stand on Palestinian statehood?

6. (a) उपायों को सुझाइए ताकि अफ्रीका के साथ भारत की साझेदारी, दक्षिण-दक्षिण सहयोग का एक सत्य प्रतीक बन जाय, और दोनों पक्षों को स्पष्ट रूप से आर्थिक एवं राजनीतिक लाभांश प्राप्त हो।

Suggest measures so that India’s partnership with Africa becomes a true symbol of South-South Cooperation, delivering clear-cut economic and political dividends to both sides of the equation.

20

- (b) “विभिन्न मुद्दों पर भारत और पाकिस्तान के मध्य मतभेदों के बावजूद, सिंधु जल संधि समय की परीक्षा में खरी उतरी है।” इस कथन के प्रकाश में, इस मुद्दे पर हाल के घटनाक्रमों का विवेचन कीजिए।

“Despite the differences between India and Pakistan on various issues, Indus Water Treaty has stood the test of times.” In the light of this statement, discuss the recent developments over this issue.

15

- (c) विकसित और विकासशील देशों के बीच मतभेदों के चलते ‘विश्व व्यापार संगठन’ वार्ताओं के दोहा दौर की अवरुद्ध प्रगति का विश्लेषण कीजिए।

Analyse the stalled progress of Doha Round of WTO negotiations over the differences between the developed and the developing countries.

15

7. (a) चीन की ‘मेखला और सड़क पहल’ किस प्रकार भारत-चीन संबंधों को प्रभावित करने वाली है?
How is the ‘Belt and Road Initiative’ of China going to affect India-China relations?

20

- (b) भारत और रूस के बीच हाल के मतभेद तथ्यों के बजाय मिथ्या-धारणाओं के फलस्वरूप हैं। सविस्तार स्पष्ट कीजिए।

The recent differences between India and Russia are the result of misconceptions than facts. Elucidate.

15

- (c) 'मैतैक्य के लिए मिलकर काम करना', जिसको 'कॉफी क्लब' के नाम से भी जाना जाता है, ने भारत एवं अन्य देशों के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् की स्थायी सदस्यता के दावों का विरोध किया है। उनकी प्रमुख आपत्तियों को इंगित कीजिए।

'Uniting for Consensus' also known as 'Coffee Club' has opposed the claims of India and other countries over permanent membership of the UN Security Council. Point out their major objections.

15

8. (a) संभव है कि भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के स्वाभाविक व्यवहार एक-दूसरे के हितों की पूर्ति करें। अतैव उनके प्रयासों का समन्वय करने की सोची-समझी रणनीति स्पष्ट रूप से दोनों को लाभ पहुँचाएगी। सविस्तार स्पष्ट कीजिए।
The natural behaviour of India and the United States is likely to serve each other's interests. Hence, a deliberate strategy of dovetailing their efforts will obviously benefit both. Elaborate.

20

- (b) क्या आप इस विचार को मानते हैं कि नई विकसित होती हुई एशियाई गत्यात्मकता में जापान एवं भारत न केवल आर्थिक सहयोग में, अपितु सामरिक साझेदारी में भी नजदीक आ गए हैं?

Do you subscribe to the idea that in the new evolving Asian dynamics, Japan and India have not only moved closer in economic cooperation, but also in strategic partnership?

15

- (c) परमाणु अप्रसार संधि (एन० पी० टी०) वैश्विक नाभिकीय निरस्त्रीकरण के अंतिम उद्देश्य की प्राप्ति में असफल रही है। परमाणु अप्रसार संधि के प्रावधान में कमियों का विवेचन कीजिए।

The Nuclear Non-Proliferation Treaty (NPT) has failed to achieve the ultimate objective of Global Nuclear Disarmament. Discuss the deficiency in the provision of NPT.

15

MAADHYAM IAS
way to achieve your dream